सांध्य दैनिक 4PM

आप मित्र बदल सकते हैं
पर पड़ोसी नहीं।
-अटल बिहारी वाजपेयी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 7 • अंकः 321 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, मंगलवार, 28 दिसम्बर, 2021

जोश से भरी मैराथन में दौड़ीं छात्राएं... 8 | किसानों के मुद्दे पर सियासत... 3 | राजधानी पहुंची केंद्रीय स्वास्थ्य... 7

सपा की सरकार बनी तो साइकिल सवार की दुर्घटना और सांड़ के हमले से मौत पर परिजनों को देगी पांच लाख : अखिलेश

» किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई पर महंगाई बढ़ गयी

» लाखों लोगों को रोजगार देने का दावा निकला झूठा

» उन्नाव में सपा प्रमुख ने भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव में भाजपा को सियासी पटखनी देने के लिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तीन दिन का आइसोलेशन समाप्त करने के बाद एक बार फिर मोर्चा संभाल लिया है। वे अपनी समाजवादी विजय रथ यात्रा को लेकर उन्नाव पहुंचे। इस मौके पर सपा प्रमुख ने भाजपा पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में झूठ की सरकार है। इससे हर वर्ग के लोग दुखी और परेशान हैं। कोरोना काल में भाजपा सरकार ने किसी की मदद नहीं की। गरीबों को अनाथ छोड़ दिया। गंगा में लाशें बहती रहीं। प्रदेश की जनता इस प्राणघातक सरकार का सफाया कर देगी।

नोटबंदी हो चुकी है फेल

अखिलेश यादव ने कहा कि नोटबंदी फेल हो गयी है। एक घर से काला धन निकल रहा है। आखिर इतने बड़े पैमाने पर पैसा कैसे निकल रहा है। जिन अधिकारियों ने छापा मारा है वे बताएं कि किन-किन बैंकों से पैसा निकाला गया। ये रूपया समाजवादियों का नहीं भाजपाइयों का हैं। फोन कॉल का डिटेल निकलेगा तो पता चल जाएगा कि रुपया किसका है। बैंक तुम्हारी और रूपया तुम्हारा है। मुख्यमंत्री जी झूठ मत बोलिए। सच्चाई लोगों को बताइए।

उन्होंने कहा कि सपा को मिल रहे अपार समर्थन से भाजपा बौखला गयी है। भाजपा सरकार के पास इसका जवाब नहीं कि किसानों की आय दुगुनी क्यों नहीं हुई? नौजवानों के लिए रोजगार का इंतजाम क्यों नहीं हुआ? वे अपने भाषणों में लाखों लोगों को रोजगार देने का दावा कर रहे हैं लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि प्रदेश में बेरोजगारी बेतहाशा बढ़ी है।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

उन्होंने कहा कि जिस तरह महंगाई बढ़ी है उससे लोगों की कमाई आधी हो चुकी है। खाद की बोरी से चोरी की जा रही है। प्रदेश के लोगों को सबसे महंगी बिजली मिल रही है। उन्होंने ऐलान किया कि सपा की सरकार बनी तो साइकिल से चलने वालों की हादसे और सांड़ के हमले से मौत होने पर उनके परिजनों को पांच लाख दिया जाएगा।

सपा विजय रथ यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

उन्नाव में पहुंची सपा विजय रथ यात्रा में जनसैलाब उमड़ा रहा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव का लोगों ने फूल-मालाओं से स्वागत किया।

सपा सरकार ने कानपुर मेट्रो का किया था शिलान्यास

उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में कानपुर मेट्रो का शिलान्यास किया गया था। उसी का उद्घाटन आज किया गया है। कानपुर के लोगों को बधाई है। सपा सरकार बनने पर उन्नाव तक मेट्रो ले आएंगे।

सोनिया का भाजपा पर हमला, बोलीं

आजादी में योगदान न देने वाले फैला रहे नफरत

» स्थापना दिवस के मौके पर कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष ने जारी किया वीडियो संदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के स्थापना दिवस पर सोनिया गांधी ने भाजपा पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि आजादी में योगदान नहीं देने वाले देश में नफरत फैला रहे हैं और कांग्रेस इसके खिलाफ हर हाल में लड़ेगी।

पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि हमारे लोकतंत्र की परंपरा को चोट पहुंचाने की कोशिश हो रही है। हम इस विचारधारा से अपनी पूरी ताकत से लड़ेंगे। वे सामाजिक समरसता को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं।

कानपुर को मेट्रो की सौगात, पीएम ने किया सफर

» जनता को समर्पित की मेट्रो, कहा, पिछली सरकारों ने विकास पर नहीं दिया ध्यान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। आईआईटी कानपुर के दीक्षांत समारोह में डिग्रीधारी मेधावियों को कंफर्ट की बजाए चैलेंज चुनने का मंत्र देने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आईआईटी मेट्रो स्टेशन पहुंचे। प्रधानमंत्री पहले यात्री बनकर मेट्रो ट्रेन में सवार हुए और गीतानगर स्टेशन तक सफर पूरा किया। इस मौके पर उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए पिछली सरकारों पर हमला किया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने विकास पर ध्यान नहीं दिया।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकारों ने समस्या का समाधान नहीं किया। भाजपा सरकार से पहले मेट्रो की लंबाई नौ किमी थी जो आज बढ़कर नब्बे किमी हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि जो लोग आजकल माहौल बना रहे हैं उनकी नीयत कभी विकास करने की रही ही नहीं। आज आगरा और मेरठ में भी मेट्रो का काम तेजी से चल रहा है। इसके पहले भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के दीक्षांत समोराह में बतौर मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शिरकत की। उन्होंने कहा कि ये दौर 21वीं सदी टेक्नोलॉजी वाला है, यह अलग अलग क्षेत्रों में अपना दबदबा बना रहा है। बिना टेक्नोलॉजी के जीवन अधूरा है, अब जीवन और टेक्नोलाजी के स्पर्धा का युग है।

गांवों में कमल खिलाने का काम करें कार्यकर्ता : केशव मौर्य

» बदायूं में डिप्टी सीएम ने विपक्ष पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बरेली के बदायूं में जनविश्वास यात्रा लेकर आए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य चार विधानसभा क्षेत्रों के शाक्य और मौर्य मतदाताओं को साध गए। उन्होंने मंच पर संबोधन के दौरान भी शाक्य और मौर्य जाति के लोगों को संदेश देने का काम किया। मंच पर जहां उनके ठीक बगल में पिछड़ा मोर्चा के अध्यक्ष हरीश शाक्य दिखाई दे रहे थे। वहीं 2019 के लोकसभा चुनाव में संघमित्रा मौर्य को चुनाव जिताने की बात कहकर भी उन्होंने अपनी बिरादरी के लोगों को रिझाने का प्रयास किया। इतना ही नहीं, बदायूं जिले को उन्होंने अब अपनी केशव प्रसाद मौर्य की राजधानी बताते हुए एक बार फिर यहां से पार्टी को जिताने का वादा लोगों से लिया।

बिल्सी विधानसभा क्षेत्र के गांव सिरासौल में आयोजित जनसभा को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने तकरीबन 22 मिनट का भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी से लेकर बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस पर तो निशाना साधा ही। साथ ही उन्होंने भाजपा सरकार में किए गए कार्यों को गिनाया और मौर्य और शाक्य बिरादरी के मतदाताओं को भी आकर्षित करने का काम किया। इस जनविश्वास यात्रा में 52 हजार मौर्य मतदाताओं वाली इस बिल्सी विधानसभा के अलावा 35 हजार शाक्य और मौर्य मतदाता वाली बदायूं सदर, 65 हजार मौर्य और शाक्य मतदाता वाली शेखूपुर और करीब 40 हजार शाक्य और मौर्य मतदाता वाली बिसौली विधानसभा के लोग भी शामिल हुए थे।

विपक्ष को सबक सिखाना है इस बार भी

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि पूरे प्रदेश में मैं आपका सिर नहीं झुकने दूंगा और आप लोग बदायूं में मेरा सिर नहीं झुकने देना। बदायूं की सभी छह सीटों को जिताने का काम करना। उन्होंने कहा कि 2017 में आपने सपा, बसपा को सबक सिखाने काम किया था, इसके बाद 2019 में तो आपने उनका सूपड़ा ही साफ नहीं किया बल्कि उनका अभिमान तोड़ने का काम किया। जब सपा-बसपा दोनों मिलकर बदायूं जीतने आए तो आपने संघमित्रा मौर्य को जिताने का काम किया।

यही कारण था कि केशव मौर्य बार-बार बदायूं जिले को अपना जिला बताने से नहीं चूक रहे थे। उन्होंने कहा कि वह पहले के चुनावों में भी बदायूं आए थे और आज भी आए हैं, और आने वाले चुनाव में भी आएंगे। उन्होंने कहा प्रत्याशी चाहे कोई हो आपको सिर्फ कमल का फूल याद रखना है। कहा कि खुद को चाहे नरेंद्र मोदी समझें, योगी आदित्यनाथ या केशव प्रसाद मौर्य समझें और कमल खिलाने का काम करें।

जनता का मन और मत भाजपा के साथ : स्वतंत्र देव

» भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, सबका साथ सबका विकास जरूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

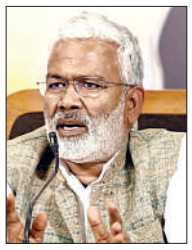

लखनऊ। बुलंदशहर में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने जन विश्वास यात्रा के दौरान जनसभा में विपक्ष पर निशाना साधते हुए योगी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। कहा कि उत्तर प्रदेश में 2017 की तर्ज पर ही योगी-मोदी की लहर चल रही है। सीएम योगी की साफ नीयत और सही विकास के सामने सपा, बसपा और कांग्रेस का छलावा टिक नहीं पाएगा। यूपी की जनता का मन और मत भाजपा के साथ है। कहा कि सबका साथ मिलने से ही सबका विकास होता है।

बीते पांच सालों में यूपी की जनता ने ये अपनी आंखों से देखा है। कहीं किसी के साथ भेदभाव नहीं हुआ। डिबाई के भीमपुर दोराहा पर जनसभा में स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि पीएम मोदी की सरकार में कश्मीर में गोली नहीं अब फूलों की वर्षा होती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में उत्तर प्रदेश अब उत्तम प्रदेश बनकर प्रगति कर रहा है। जातिवाद, परिवारवाद और वंशवाद को वोट नहीं मिलनी चाहिए। राष्ट्रवाद के नाम पर मतदान होना चाहिए। कहा कि लक्ष्मी साइकिल, पंजा या हाथ पर बैठकर नहीं कमल पर बैठकर आती हैं। योगी सरकार से पहले प्रदेश में गुंडा और माफिया राज था। बहन-बेटियां सड़कों पर चलने से कतराती थी। योगी सरकार में गुंडे माफिया प्रदेश छोड़ गए और लड़कियां-महिलाएं दिन ही नहीं रात में भी सड़कों पर बेखौफ चलती हैं। पहली सरकारें कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे को बंद करवाती थीं, अब यात्रा पर पुष्प वर्षा होती है। भाजपा सरकार में बिजली, पानी, शिक्षा और चिकित्सा व्यवस्था में बड़ा सुधार हुआ है।

नए साल से विधवाओं को भी मिलेगा मुख्यमंत्री कन्या शादी का अनुदान

» नए साल से अनुदान के लिए किए जा सकते हैं आवेदन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री कन्या विवाह या सामूहिक विवाह योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर 18 साल से ऊपर युवती और 21 साल के ऊपर के युवक को अनुदान दिया जाता है। योजना के तहत अब विधवा की पुत्री के साथ ही यदि विधवा दूसरा विवाह करना चाहती है तो उसे भी शादी अनुदान की राशि मिलेगी। नए साल से अनुदान के लिए आवेदन किए जा सकते हैं।

लखनऊ के सभी विकासखंडों, नगर पंचायतों व नगर निगम में सामूहिक विवाह अनुदान योजना या शादी अनुदान योजना के तहत आवेदन किया जा सकता है। शादी के तीन महीने पहले या शादी के तीन महीने बाद तक आवेदन की सुविधा है। अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, अल्पसंख्यक वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर को

अनुदान दिया जाएगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ. अमरनाथ ने बताया कि अगले साल सामूहिक विवाह की तैयारी की जा रही है। आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। विधवा यदि दूसरा विवाह करना चाहती है तो उसे भी शादी अनुदान दिया जाएगा। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों को शादी अनुदान का भुगतान समाज कल्याण विभाग करता है। शादी होने के तीन महीने पहले या तीन महीने बाद तक समाज कल्याण विभाग को ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। खास बात यह है कि अनुदान लड़की के बैंक खाते में भेज दिया जाता है। खुद शादी करने पर 20 हजार और सामूहिक शादी होने पर 51 हजार का अनुदान मिलता है। इसमे 35 हजार लड़की के खाते में भेजा जाता है और 10 हजार का शादी का सामान और छह हजार शादी में खर्च के लिए मिलते हैं।

आमदनी घट रही है किसानों की, सरकार नहीं कर रही कोई उपाय : राकेश टिकैत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राकेश टिकैत ने एक बार फिर भाजपा पर निशाना साधा है। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने मेरठ में कहा कि आमदनी घट रही, खर्चे बढ़ रहे, किसान खेती छोड़ रहा, ये हालात चिंताजनक हैं। उन्होंने कहा सरकार कोई ठोस उपाय नहीं कर रही है, किसानों के लिए चिंता का विषय है। किसान तमाम चुनौतियों का सामना कर रहा है। परेशान किसान खेती छोड़ रहे हैं। यह चिंताजनक है। फसल की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सुनिश्चित होनी चाहिए। आज किसान की स्थिति सबके सामने है। सरकारों को किसानों को सपोर्ट करना चाहिए। स्वामीनाथन कमेटी ने महत्वपूर्ण सिफारिशें दी हैं।

सरकार को फसल की कुल लागत (कास्ट) को लेकर तय सी2 के फॉर्मूले पर एमएसपी देना चाहिए। तभी किसानों की स्थिति में सुधार संभव है। किसान परिवारों के समर्थन के लिए कई अन्य तरह के प्रोत्साहन की भी जरूरत है। किसानों को बिजली फ्री में दी जाए ताकि उसे फसलों की सिंचाई करने में चिंता न रहे। किसानों के बच्चों की पढ़ाई के लिए स्थानीय स्तर पर क्वालिटी एजुकेशन हब बनाया जाए, जहां मुफ्त शिक्षा की व्यवस्था हो। एग्रो बेस्ड इंडस्ट्री बढ़ाई जाएं, जिससे कृषि सेक्टर में रोजगार के अवसर बढ़ें। निजीकरण रुकना चाहिए। बड़े उद्योगों की जगह छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जाए, जिससे गांवों में रोजगार के अवसर पैदा हों और पलायन रुके। गन्ने का भुगतान 14 दिन में सुनिश्चित किया जाए।

उत्तराखंड चुनाव : तराई में जीत-हार तय करते हैं किसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही सभी राजनीतिक पार्टियां अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए रैलियों के साथ ही हर वर्ग को रिझाने के लिए पूरी ताकत झोंक रही हैं। किसान आंदोलन खत्म होने के बाद अब बीजेपी-कांग्रेस और आम आदमी पार्टी किसान वोट बैंक को अपने पक्ष में करने में जुट गई हैं। रुद्रपुर व आसपास तराई की 9 में से 7 विधानसभा सीटों में किसानों का बड़ा वोट बैंक है। कृषि कानूनों के खिलाफ एक साल तक चले आंदोलन में तराई के किसान बेहद सक्रिय रहे थे और बीजेपी से खुले तौर पर नाराज भी थे। हालांकि अब आंदोलन खत्म होने के बाद बीजेपी किसानों को अपने पक्ष में करने की कोशिशों में जुटी है। बीजेपी किसान मोर्चा ने चुनाव को देखते हुए सभी विधानसभा क्षेत्रों में किसान सम्मेलन शुरू कर दिया है। कार्यकर्ता गांवों में चौपाल लगाने के साथ ही घर-घर जाकर किसानों से संपर्क कर रहे हैं।

ब्राह्मणों को साधने के लिए योगी के मंत्री व विधायक पंचायतों में लगाएंगे चौपालें

» 16 सदस्यीय कमेटी बनी, सभी को मिली जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में भाजपा से ब्राह्मणों की नाराजगी दूर करने के लिए पार्टी ने एक 16 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है जो कि ब्राह्मण समाज को भाजपा के पक्ष में करने के लिए अभियान चलाएगी। यूपी विधानसभा चुनाव में ब्राह्मण मतदाताओं को साधने के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार के ब्राह्मण मंत्री अब समाज के बीच जाएंगे। ये मोदी सरकार की ओर से संस्कृत, संस्कृति, धर्म शास्त्रों और धार्मिक स्थलों के लिए किए गए कामों के साथ ब्राह्मण समाज को दिए प्रतिनिधित्व को बताएंगे।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने

रविवार को दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के आवास पर हुई बैठक में ब्राह्मणों की नाराजगी दूर करने पर मंथन किया। ब्राह्मणों को साधने के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार के मंत्रियों व सांसदों की 16 सदस्यीय कमेटी भी गठित की है गई। बैठक में केंद्र व राज्य सरकार के ब्राह्मण मंत्री शामिल हुए। बैठक में हाल ही में सपा में शामिल हो रहे ब्राह्मण नेताओं के असर पर मंत्रियों ने राय रखी। नड्डा ने कहा कि पीएम मोदी ने संस्कृत, संस्कृति, धर्म शास्त्र और धार्मिक स्थलों के उत्थान के लिए जो काम किए हैं उसका फायदा समाज को हुआ है। बैठक में तय किया गया कि मंत्री समाज के बीच जाकर बताएं कि सपा शासन में किस तरह ब्राह्मणों की हत्या की गई थी। 2007 में ब्राह्मणों के समर्थन से बसपा की सरकार बनने के बाद एससी-एसटी एक्ट के तहत सबसे ज्यादा मुकदमे ब्राह्मणों पर ही दर्ज हुए थे। तय हुआ कि मंत्री ब्राह्मण संगठनों के नेताओं से बात कर उन्हें समझाने का प्रयास करेंगे कि भाजपा ने ही समाज को प्रदेश व केंद्र सरकार में प्रतिनिधित्व के साथ संगठन में भी शीर्ष पदों पर बैठाया है।

किसानों के मुद्दे पर सियासत, प्रदेश के चुनावी समीकरणों पर पड़ेगा असर

» यूपी की 68 फीसदी आबादी आज भी खेती-किसानी पर निर्भर

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। अगले साल चुनाव है और सभी दल वोटर्स को रिझाने में जुटे हैं मगर इस बार के चुनाव में किसान वोटर्स की अहम भूमिका रहेगी क्योंकि शहरी वोटों की अपेक्षा ग्रामीण अंचल से किसानों का वोट बैंक इस बार कईयों का गणित बिगाड़ सकता है। इसका सबसे बड़ा कारण किसान आंदोलन रहा। हालांकि भाजपा का 14 वर्ष का सत्ता का वनवास 2017 में खत्म हुआ। विधान सभा में 312 सीटें अगर भाजपा ला सकी तो इसमें किसानों की कर्जमाफी के वादे का बड़ा योगदान रहा।

लोक सभा चुनाव में भी 49.6 फीसदी वोट शेयर भाजपा ने हासिल किए तो इसका भी बहुत हद तक श्रेय किसानों को जाता है। यह सब तब था जबकि किसानों का पूरा कर्ज माफ किए जाने के बजाय एक-एक लाख रुपये ही माफ हुए। 6000 रुपये सालाना सम्मान निधि भी किसानों को रास आई। सिंचाई परियोजनाओं सहित कई अधूरी परियोजनाएं पूरी हुई हैं। पर, तीन कृषि कानूनों को लेकर किसान आंदोलन ने जिस तरह से सियासत को गरमाया, उसका असर चुनावी समीकरणों पर तो पड़ेगा ही। बाराबंकी के प्रगतिशील किसान धर्मराज यादव कहते हैं, पिछले पांच सालों में किसानों के लिए कई सकारात्मक पहल हुई। किसान सम्मान निधि शुरू की गई। सालों से कई अधूरी नहरें पूरी की गईं हैं, जिससे सिंचाई में सहूलियत बढ़ी है। कृषक उत्पादक समूह (एफपीओ) बनाकर किसानों को प्रोत्साहन दिया गया है। आपदा राहत की मदद सीधे खाते में पहुंच रही है। कृषि उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहन देना शुरू किया गया है। बेशक इन सबसे किसानों की आय भी कुछ बढ़ी है। पर, किसानों के सामने चुनौती उससे बड़े अनुपात में बढ़ गई है। रामपुर के कृषक उद्यमी अमित वर्मा कहते हैं, खाद-बीज की कीमतें बढ़ने के साथ ही अब कहीं ज्यादा मजदूरी चुकानी पड़ रही है।

किसानों की आय बढ़ी तो कर्ज भी बढ़ा

एनएसएस का सिचुएशन एसेसमेंट सर्वे बताता है कि 2013 से 2019 के बीच किसानों की आय में वृद्धि हुई तो उनके कर्ज में भी भी इजाफा हुआ है। छह वर्षों के बीच राष्ट्रीय स्तर पर किसान परिवारों की सालाना आमदनी में औसतन 22,932 रुपये की बढ़ोतरी हुई जबकि यूपी में यह वृद्धि 14,484 रुपये तक सीमित रही। इसी अवधि में राष्ट्रीय स्तर पर किसानों के औसत कर्ज में 27,121 रुपये की वृद्धि हुई, हालांकि यूपी के किसानों पर कर्ज का बोझ 23,807 रुपये ही बढ़ा। यूपी में औसत कर्ज में कमी के पीछे योगी सरकार के एक लाख रुपये तक की कर्जमाफी को भी माना जा रहा है।

किसानों को है समर्थन की जरूरत : राकेश टिकैत

किसान नेता राकेश टिकैत कहते हैं कि किसान तमाम चुनौतियों का सामना कर रहा है। आमदनी घट रही है। खेती-किसानी के खर्चे बढ़ रहे हैं। परेशान किसान खेती छोड़ रहे हैं। यह चिंताजनक है। फसल की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सुनिश्चित होनी चाहिए। आज किसान की स्थिति सबके सामने है। सरकारों को किसानों को सपोर्ट करना चाहिए। सरकार के आश्वासन पर आंदोलन समाप्त हुआ है। कमेटी गठन के लिए सरकार को किसानों की ओर से नाम दिया जाना है। ये नाम जल्दी ही दे दिए जाएंगे। सरकार की कार्यवाही पर हमारी नजर बनी रहेगी।

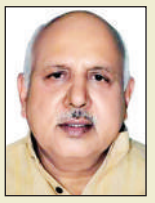

कृषि और किसानों के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार पहले दिन से प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है। किसान इन सबको देख रहा है और समझ रहा है। किसान सरकार को भरपूर आशीर्वाद देने को तैयार हैं।

सूर्य प्रताप शाही, कृषि मंत्री

भुगतान में देरी पर ब्याज क्यों नहीं?

लखीमपुर के प्रगतिशील किसान धर्मेंद्र तोमर बताते हैं, समय से गन्ना मूल्य के भुगतान में विफल रहने पर ब्याज अदायगी का नियम है। क्या कभी तय समय सीमा में भुगतान होता है? फिर सरकार मिलों से ब्याज क्यों नहीं दिलाती? तय अनुपात से ज्यादा गन्ना का उत्पादन हो जाए, तो बिकना मुश्किल। युवा किसान अरविंद तिवारी सवाल उठाते हैं, यदि अनाज, फूल व फल आसानी से बिकेगा नहीं, पूरी कीमत मिलेगी नहीं तो किसान का भला होगा कैसे? खेत से स्थानीय मंडी व मार्केट के बीच दो से आठ गुना तक कीमत में अंतर रहता है। यह खाई पाटे बिना किसान की तरक्की संभव नहीं है।

यूपी में फिर भगवा लहराने को अब संघ ने कसी कमर, सेट किया एजेंडा

» सभी संगठनों को सीएम योगी के पक्ष में जन अभियान चलाने का निर्देश

» मुस्लिम राष्ट्रीय मंच भी करेगा योगी सरकार की उपलब्धियों का प्रचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आगामी विधान सभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ यानी आरएसएस ने प्रदेश में फिर से भगवा फराने को कमर कस ली है। संघ ने योगी आदित्यनाथ को एक बार फिर यूपी का सीएम बनाने का चुनावी एजेंडा सेट कर लिया है। योगी के काम और नाम पर संघ ने अपनी मुहर लगा दी है। संघ ने अपने सभी संगठनों को योगी के पक्ष में जन अभियान चलाने का निर्देश दिया है। इस अभियान में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच को भी जोड़ा गया है जो मुस्लिम बहुत इलाकों में योगी सरकार की उपलब्धियां गिनाएगा।

विधान सभा चुनाव में भाजपा के साथ अब संघ ने भी मोर्चा संभाल लिया है। संघ की पत्रिका पांचजन्य के यूपी विशेषांक ने योगी के कार्यों की जमकर सराहना की है। यही नहीं संघ के कार्यकर्ताओं को इसकी पांच लाख प्रतियां लोगों तक पहुंचाने का काम सौंपा गया है। वहीं भाजपा के समानान्तर बूथ स्तर तक संघ के कार्यकर्ता जुटेंगे। आरएसएस ने इसके साथ ही अपने सभी आनुषांगिक संगठनों को योगी के पक्ष में जन अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का महिला विंग और मौलाना प्रकोष्ठ से जुड़े लोग भी योगी सरकार का प्रचार करेंगे। संघ के बीएल संतोष ने भाजपा के संगठन प्रभारी समेत अन्य बड़े नेताओं के साथ बैठक कर अपने चुनावी अभियानों पर चर्चा की। भाजपा के स्थानीय जनप्रतिनिधियों के प्रति जनता में जो नाराजगी है, उसे दूर करने के लिए संघ अब बूथ स्तर पर भाजपा के समानांतर जुटेगा। यूपी में चुनाव नजदीक आते ही संघ की सक्रियता लगातार बढ़ रही है।

ब्राह्मणों को साधने में भी जुटी

यूपी विधान सभा चुनाव से पहले ब्राह्मण वर्ग की नाराजगी दूर करने और चुनाव के समय फिर से अपने साथ लाने के लिए कवायद तेज कर दी है। इसके लिए दिल्ली में बैठक की गयी। इसमें यूपी के सभी बड़े भाजपा के ब्राह्मण नेता शामिल हुए। तय किया गया कि सभी ब्राह्मण नेता अपने-अपने क्षेत्र में जाकर ब्राह्मण वर्ग के प्रतिष्ठित लोगों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान उन्हें भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार के द्वारा ब्राह्मणों के लिए किए गए कामों के बारे में भी बताया जाएगा। इसके साथ यह भी बताया जाएगा कि भाजपा सरकार में ब्राह्मणों को पूरा सम्मान दिया गया है। इनमें सामान्य वर्ग को 10 प्रतिशत आरक्षण, मंदिरों के भव्य निर्माण, ब्राह्मण वर्ग से बड़ी संख्या में मंत्री विधायक और सांसद भाजपा द्वारा बनाये गए यानी उचित राजनीतिक भागीदारी भी देने का काम भाजपा ने किया है। इसके अलावा ब्राह्मणों को सामाजिक सुरक्षा भी भाजपा सरकार में दी गई। ये सब बातें जाकर ब्राह्मणों के बीच में बताई जाएंगी।

दास्तान-ए-योगी का विमोचन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने दास्तान-ए-योगी पुस्तक प्रकाशित कराई है। इसका विमोचन 30 दिसंबर को आरएसएस के इंद्रेश कुमार लखनऊ में करेंगे। इस पुस्तक में योगी की संघर्ष गाथा लिखी गई है। इस किताब को विमोचन के बाद मुस्लिम महिलाएं और मौलाना बूथ स्तर तक वितरित करेंगे।

संघ की पत्रिका पांचजन्य के यूपी विशेषांक में जहां योगी के विकास कार्यों की खूब सराहना की गई है, वहीं संघ के अनुषांगिक संगठन सहकार भारती ने अपना राष्ट्रीय अधिवेशन इसी माह यूपी में पहली बार किया, जिसमें सीएम योगी से लेकर अमित शाह तक मौजूद रहे। उसके मंच से योगी के विकास कार्यों की आरएसएस ने तारीफ की।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

ओमिक्रॉन का खतरा और प्रिकॉशन डोज

पिछले दो साल से कोरोना ने पूरी दुनिया में हाहाकार मचा रखा है। डेल्टा के बाद अब इसके नए वेरिएंट ओमिक्रॉन ने रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है। देश के 21 राज्यों में इसने दस्तक दे दी है और इसके केसों में रोजाना इजाफा हो रहा है। अभी तक साढ़े छह सौ से अधिक केस सामने आ चुके हैं। वहीं दूसरे देशों में इसके संक्रमण की रफ्तार को देखते हुए विशेषज्ञों ने नए वेरिएंट के जरिए भारत में तीसरी लहर की आशंका जता दी है। दुनिया के दूसरे देशों की तरह भारत में भी इसके बूस्टर डोज की मांग तेज हुई तो सरकार ने इसकी तीसरी या प्रिकॉशन डोज लगाने को मंजूरी दे दी है। सवाल यह है कि कोरोना के प्रिकॉशन डोज की जरूरत क्यों पड़ी? क्या कोरोना के खत्म होने तक लोगों को एक समय के अंतराल में वैक्सीन की डोज लेते रहना होगा? क्या प्रिकॉशन डोज ओमिक्रॉन और कोरोना के संक्रमण से लोगों को बचा सकेगी? क्या इसके जरिए तीसरी लहर को रोका जा सकता है? क्या रूप बदलते कोरोना से बचाव की कोई पुख्ता व्यवस्था अभी नहीं हो सकी है?

ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों ने वैक्सीन की बूस्टर डोज की वकालत की। लिहाजा तमाम देशों ने अपने नागरिकों को बूस्टर डोज देनी शुरू कर दी है। भारत में भी इसकी मांग तेज हुई तो सरकार ने इसके सीमित दायरे में इस्तेमाल को मंजूरी दे दी है। इसके तहत फ्रंट लाइन वर्कर्स, गंभीर रोगियों और 60 साल से ऊपर के बुजुर्गों को डॉक्टर की सलाह पर यह डोज दस जनवरी से लगायी जाएगी। दरअसल, विशेषज्ञों का कहना है कि वैक्सीन लगवाए हुए काफी दिन बीत चुके हैं इसलिए लोगों की कोरोना से लड़ने वाली इम्यूनिटी क्षमता कम हो गयी है। प्रिकॉशन डोज लगाने से इम्यूनिटी में फिर से इजाफा होगा और ओमिक्रॉन जैसे वेरिएंट से आसानी से लड़ा जा सकेगा। इसके अलावा कोई भी वैक्सीन अभी तक कोरोना से सौ फीसदी सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम नहीं दिख रही है। वहीं बूस्टर डोज लेने के बाद भी कई लोग ओमिक्रॉन से संक्रमित हो चुके हैं। लिहाजा सरकार ओमिक्रॉन के संक्रमण को रोकने के लिए तीसरी डोज की वकालत कर रही है लेकिन चिंताजनक बात यह है कि देश में अभी तक सभी लोगों को वैक्सीन की दोनों डोज नहीं लग सकी है। करोड़ों लोग अभी भी दूसरी डोज नहीं लगवा सके हैं। वहीं 15 साल से नीचे के बच्चों का वैक्सीनेशन नहीं शुरू हुआ है। जाहिर है सरकार को पहले सभी को टीके की दोनों डोज लगाने पर ध्यान देने की जरूरत है। वहीं प्रिकॉशन डोज के साथ बच्चों के वैक्सीनेशन की प्रक्रिया भी शुरू करनी होगी। इसके अलावा चिकित्सा संसाधनों को भी दुरुस्त करना होगा।

संजय

“ चिंताजनक बात यह है कि देश में अभी तक सभी लोगों को वैक्सीन की दोनों डोज नहीं लग सकी है। करोड़ों लोग अभी भी दूसरी डोज नहीं लगवा सके हैं। वहीं 15 साल से नीचे के बच्चों का वैक्सीनेशन नहीं शुरू हुआ है। जाहिर है सरकार को पहले सभी को टीके की दोनों डोज लगाने पर ध्यान देने की जरूरत है। वहीं प्रिकॉशन डोज के साथ बच्चों के वैक्सीनेशन की प्रक्रिया भी शुरू करनी होगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

टेक्नोलॉजी बनाम क्रिप्टो कारोबार

अश्विनी महाजन

पिछले काफी समय से दुनियाभर में क्रिप्टो करेंसियों का चलन बढ़ा है। भारत में केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक का मत यह रहा कि क्रिप्टो करेंसियां गैर कानूनी हैं इसलिए इनके लेन-देन को कानूनी मान्यता नहीं दी जा रही थी। रिजर्व बैंक ने एक सूचना जारी कर बैंकों को क्रिप्टो करेंसी के लेन-देन से दूरी बनाने और अपने ग्राहकों को आगाह करने को कहा तो सर्वोच्च न्यायालय ने यह फैसला सुनाया कि चूंकि सरकार ने इन्हें गैर कानूनी घोषित नहीं किया है इसलिए बैंकों को दी गयी यह हिदायत कानूनन ठीक नहीं है। इसके बाद क्रिटो एक्सचेंजों द्वारा बड़ी मात्रा में लेन-देन शुरू हो गया। बाजार के हवाले से अनुमान है कि करीब दो करोड़ लोगों ने इसमें पैसे लगाये हैं।

क्रिप्टो एक नयी कंप्यूटर टेक्नॉलॉजी 'ब्लॉकचेन' की देन है। इस तकनीक का अभी तक अनुभव यह रहा है कि वर्तमान में चल रही क्रिप्टो करेंसियों के उद्गम, निर्माता आदि का कुछ पता नहीं चलता। यदि कोई व्यक्ति गैर कानूनी रूप से क्रिप्टो प्राप्त करता है तो उसका पता नहीं लगाया जा सकता। तकनीकी विकास एक निरंतर प्रक्रिया है। इस संदर्भ में ब्लॉकचेन तकनीक के कई अभूतपूर्व फायदे हैं। इसका उपयोग कर स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, भूमि रिकॉर्ड सहित कई नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सकता है लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इस टेक्नॉलॉजी के नाम पर क्रिप्टो को अपनाना जरूरी है? क्रिप्टो समर्थकों का कहना है कि 'ब्लॉकचेन' तकनीक का भरपूर लाभ उठाने और इसके विकास को गति देने के लिए क्रिप्टो करेंसी की माइनिंग एक प्रोत्साहन के रूप में कार्य करती है इसलिए उनका तर्क यह है कि क्रिप्टो और 'ब्लॉकचेन' टेक्नॉलॉजी को अलग नहीं किया जा सकता लेकिन टेक्नॉलॉजी के समर्थक, पर क्रिप्टो के विरोधियों का तर्क है कि 'ब्लॉकचेन' तकनीक का उपयोग करने के लिए क्रिप्टो की जरूरी शर्त नहीं होनी चाहिए। पहली बात यह है कि क्रिप्टो करेंसी को करेंसी कहना गलत है। करेंसी का अभिप्राय है सरकार की गारंटीशुदा, केंद्रीय बैंक द्वारा जारी मुद्रा। क्रिप्टो करेंसी निजी तौर पर जारी आभासी सिक्के हैं, जिनकी कोई वैधानिक मान्यता नहीं है। दूसरी बात, क्रिप्टो का उपयोग अपराधियों, आतंकवादियों, स्मगलरों, हवाला में लगे लोगों द्वारा किया जा रहा है। हाल में पूरी दुनिया में जब साइबर अपराधियों ने कई कंपनियों का डाटा वापस देने के लिए फिरौती बिटक्वाइन में मांगी थी, तब इससे बिटक्वाइन के आपराधिक इस्तेमाल की बात सामने

आ गयी। तीसरी बात, यह एक ऐसी मूल्यवान आभासी संपत्ति है, जिसके धारक को तो पता होता है लेकिन किसी अन्य को इसका पता तभी चलता है, जब इसमें बैंक के माध्यम से लेन-देन होता है। हालांकि घोषित लेन-देन के बाद इस पर आयकर लगाया जा सकता है, लेकिन यदि इसकी बिक्री विदेश में हो तो कर नहीं लगेगा। इस प्रकार क्रिप्टो आयकर, जीएसटी एवं अन्य करों की चोरी का माध्यम बन रही है। चौथी बात, बिटक्वाइन तथा अन्य क्रिप्टो करेंसियों की कीमत में लगातार होते उतार-चढ़ाव और बढ़ती कीमत के कारण युवा इसकी तरफ आकर्षित हो रहा है। अभी तक छह लाख करोड़ रूपये इसमें लग चुके हैं। यह एक अंधे कुएं की तरह है, जहां पैसा कहां और किसकी जेब में जा रहा है, किसी को नहीं मालूम। यदि यह पैसा देश के विकास में लगे, हमारे युवा उद्योग-धंधे में लगाएं, तो हमारी जीडीपी में खासा फायदा हो सकता है। कहा जा रहा है कि पिछले कुछ समय से देश में पूंजी निर्माण कम हो रहा है। यदि ऐसी आभासी कथित संपत्ति में पैसा लगाने की प्रवृत्ति बढ़ी, तो यह निवेश और अधिक कम हो सकता है। पांचवा, क्रिप्टो के खिलाफ एक बड़ा तर्क यह है कि इसकी माइनिंग में बड़ी मात्रा में बिजली खर्च होती है, जिससे बिजली की कमी हो सकती है। चीन द्वारा क्रिप्टो को प्रतिबंधित करने में यह सबसे बड़ा तर्क दिया गया है। क्रिप्टो समर्थक भी यह मानते हैं कि क्रिप्टो का विनियमन जरूरी है लेकिन उनका कहना है कि क्रिप्टो को मान्यता देकर विनिमयन हो। क्रिप्टो विरोधियों में से भी एक वर्ग ऐसा है, जो मानता है कि हालांकि इसके विनियमन में ही भलाई है क्योंकि प्रतिबंध को प्रभावी नहीं किया जा सकता, लेकिन एक वर्ग यह भी मानता है कि क्रिप्टो को गैर कानूनी गतिविधियों को बढ़ावा देने के चलते प्रतिबंधित करना चाहिए और यह संभव है। वे इस बाबत चीन का उदाहरण देते हैं, जहां सरकार ने क्रिप्टो को प्रतिबंधित कर सरकारी डिजिटल करेंसी जारी करने की ओर कदम बढ़ाया है। लगभग इसी मार्ग पर अमरीका भी चलने को तैयार है, लेकिन क्रिप्टो प्रतिबंधित करते हुए इसकी अंतर्निहित तकनीक से कोई परहेज नहीं होना चाहिए। 'ब्लॉकचेन' तकनीक का उपयोग तब भी किया जा सकता है। प्रौद्योगिकी के विकास को प्रोत्साहन सरकारी डिजिटल करेंसी के माध्यम से किया जा सकता है।

बांध सुरक्षा में नये युग का सूत्रपात

संजय कुंडू

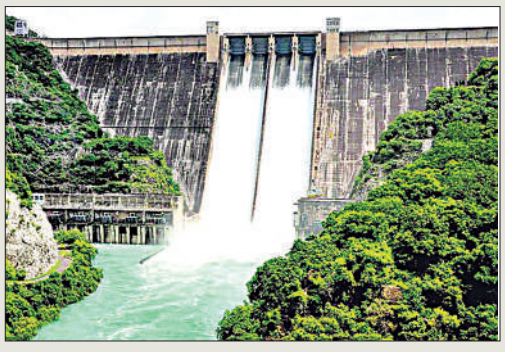

पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने फख्र से बांधों को 'आधुनिक भारत के मन्दिर' बताया था। बांध, एक अति महत्वपूर्ण आधारभूत ढांचा है, जिसको बनाने में बहुत अधिक निवेश लगता है किंतु बहुउद्देश्यीय फायदा मिलता है। राष्ट्रीय ढांचे का अन्य महत्वपूर्ण तंत्र जैसे कि सिंचाई, बिजली उत्पादन, बाढ़ नियंत्रण, पेयजल और उद्योग हेतु पानी की आपूर्ति इत्यादि भी बांध से जुड़ा है। जब कभी बांध बनाए गए थे, वह आबादी से दूर थे, कालांतर में आसपास और निचली धारा के तटीय क्षेत्रों पर बड़ी संख्या में आबादी बसती गई इसलिए बांध सुरक्षा सुनिश्चित करना एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी है।

बांधों पर हुआ निवेश और प्राप्त विविध लाभ बनाए रखने हेतु इस महत्वपूर्ण भौतिक बुनियादी तंत्र की सुरक्षा अक्षुण्ण रखना बहुत जरूरी है। असुरक्षित बांध इंसानी, जल-जीवन, जैविकी, जैव विविधता, पर्यावरण और लोगों का निवेश जैसे कि फसलें, घर, नहरें और सड़कें इत्यादि के लिए घातक हो सकते हैं इसलिए सुरक्षा बनाए रखने और ढहने पर भारी तबाही के मद्देनजर बांध की उचित निगरानी, जांच, प्रबंधन और मरम्मत करना अत्यंत आवश्यक है। बांध सुरक्षा की प्रासंगिकता किसी राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय नियमों के पालन की क्षमता से भी जुड़ी है। बांध सुरक्षा पर यथेष्ट ध्यान न देने वाला राष्ट्र विभिन्न अंतरराष्ट्रीय समझौते, जैसे अंतरराष्ट्रीय नदी, जलीय क्षेत्र, रेगिस्तान रोकथाम, जैव और जीव-जंतु विविधता पर हुई संधियों के प्रति राष्ट्रीय जिम्मेदारी न निभा पाने का दोषी बन जाता है। भारत में पूरी तरह बने 5,300 से ज्यादा बांध हैं और 400 से अधिक निर्माणाधीन हैं। 80 फीसदी बांध 25 साल से ज्यादा पुराने हैं और 300 बांधों की उम्र 100 साल से ऊपर है। बांधों के पुराने पड़ते जाने के साथ देश में उनकी सुरक्षा गंभीर चिंता का विषय बन गई। इनमें बहुत से बांधों का प्रभाव क्षेत्र अंतर्राज्यीय स्तर का है, वास्तव में टूटने पर या कल्पना करें तो हजारों लोग मारे जाएंगे जैसा कि मुल्ला पेरियार या गुजरात का मोरबी बांध टूटने पर हुआ था। किसी संवैधानिक इंतजाम के अभाव में बांध की निचली धारा जिन राज्यों से गुजरती है वहां जनजीवन की रक्षा और हित सुनिश्चित करना मुश्किल है। संविधान के अनुसार, राज्य सरकारें जल संग्रहण और बिजली उत्पादन समेत जलीय विषयों पर अपने कानून बना सकती हैं। हालांकि, यदि संसद को जनहित में जरूरी लगे तो वह अंतर्राज्यीय नदी घाटी नियमन एवं संवर्धन करने का हक रखती है। मौजूदा पद्धति की पुनर्समीक्षा और एकीकृत कार्यप्रणाली पर सहमति बनाने के प्रयास पहले भी हो चुके हैं, किंतु देश में बांधों की सुरक्षा यकीनी करने को संस्थागत इंतजाम वाला वैधानिक खाका नहीं बन पाया था। इस विषय पर कानून बनाने की कोशिशें 1982 से जारी थीं, बांध सुरक्षा कानून के कई प्रारूपों को आजमाया गया लेकिन अंतिम नतीजा फलीभूत न हो सका।

कुछ राज्य सरकारों ने इस विषय पर केंद्र सरकार द्वारा दखल देकर कानून बनाने की शक्ति पर जो सवाल उठाए थे, उनका निवारण संविधान की सातवीं अनुसूची की प्रथम सूची के अनुच्छेद 246, उपधारा 56 और 97 के साथ जोड़कर पढ़ा जाने पर होता है, ये प्रावधान केंद्र सरकार को बांध सुरक्षा कानून पारित करने का संवैधानिक हक देता है। लिहाजा 2018 में अंतर्राज्यीय नदियों पर बने बांधों की सुरक्षा यकीनी बनाने को अखिल भारतीय बांध सुरक्षा कानून तैयार हुआ था, इसमें पूर्व में संसदीय समिति द्वारा पेश सुझावों और बांध इंजीनियरिंग एवं सुरक्षा के नवीनतम तकनीकी पहलुओं को भी समाहित किया गया है। लोक सभा में यह कानून वर्ष 2019 में पारित हो चुका था, गत 2 दिसम्बर को राज्यसभा द्वारा मुहर लगने के बाद केंद्र सरकार ने 14 दिसम्बर को बांध सुरक्षा कानून अधिसूचना के रूप में तार्किक परिणति कर दी। इस कानून में केंद्रीय जल आयोग की अध्यक्षता में बांध सुरक्षा पर एक राष्ट्रीय समिति बनाना है। यह सुरक्षा-नीति और नियमन संबंधी जरूरी सुझाव देगी, इन नीतियों के बाकायदा क्रियान्वयन हेतु राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण का गठन बतौर नियामक संस्था होगा। साथ ही सूबों की अपनी राज्य स्तरीय बांध सुरक्षा समितियां माकूल निगरानी, निरीक्षण, सुरक्षित प्रचालन और रख-रखाव सुनिश्चित करेंगी। राज्य बांध सुरक्षा संगठन का काम समयबद्ध निरीक्षण, वास्तविक हालात और खतरे के मद्देनजर इनका वर्गीकरण और लेखा-जोखा रखना होगा।

दरअसल, कुछ बांध एक से अधिक राज्य के अधिकार क्षेत्र में आते हैं, वहां राष्ट्रीय प्राधिकरण ऐसे मामलों में राज्य बांध सुरक्षा संगठन की भूमिका निभाएगा ताकि क्रियान्वयन पर अंतर्राज्यीय झगड़े की गुंजाइश न रहे। नए विधान में राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण और राज्य बांध संगठन द्वारा वार्षिक रिपोर्ट बनाना और इन्हें संसद-विधानसभा के पटल पर रखने और पब्लिक डोमेन में प्रकाशित करने का भी प्रावधान किया गया है। नए विधेयक में बांध वाले राज्यों की काफी जिम्मेदारी तय की गई है, इसके अंतर्गत उन्हें बांध सुरक्षा इकाई स्थापित करना, मानसून से पहले और बाद निरीक्षण, बाढ़ के दौरान और उपरांत विशेष निरीक्षण, भूचाल या किन्हीं अन्य भौगोलिक दबावों अथवा बांध में दृष्टिगोचर किसी विशेष लक्षण की शिनाख्त, जलकोष तटों पर कटावों का निरीक्षण इत्यादि करना है।

जश्न व पार्टी में सेहत को न करें नजरअंदाज

साल के आखिरी दिनों के साथ ही परिवार और दोस्तों के साथ जश्न व पार्टियों का वक्त भी आ गया है। हालांकि इस दौरान स्वादिष्ट भोजन का बुरा असर आपकी सेहत पर पड़ सकता है क्योंकि इन व्यंजनों में फैट, चीनी और कार्बोहाइड्रेट भरपूर मात्रा में होते हैं। इसलिए इस जश्न में भी आपको अपनी सेहत का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। जानिए, कुछ टिप्स...

ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर का रखें ध्यान

पार्टी में मिलने वाले खाने के आइटम्स से ब्लड शुगर अचानक बढ़ता है, जिससे शरीर में इंसुलिन के स्तर में बढ़ोतरी होती है और नींद आने लगती है। डायबिटीज के मरीजों के लिए यह स्थिति बेहद गंभीर हो सकती है। क्रिसमस के दौरान खाए जाने वाले व्यंजन न केवल वजन बढ़ाते हैं बल्कि जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों जैसे हाई ब्लड प्रेशर वगैरह का कारण भी बनते हैं।

भरपूर जश्न लेकिन चीनी कम

त्यौहारों के दौरान चीनी और नमक का सेवन कम कर दें। नमक के कम इस्तेमाल से हाई ब्लड प्रेशर और दिल की बीमारियों से जुड़े खतरे कम होते हैं। चीनी का सेवन सीमित मात्रा में करने से भी दिल की बीमारियों से बचा जा सकता है। गुड़ को चीनी का विकल्प बना सकते हैं।

इस तेल का करें इस्तेमाल

जहां तक मुमकिन हो तले हुए खाद्य पदार्थों का सेवन न करें। अगर आप ऐसे व्यंजन खाना ही चाहते हैं तो मूफा से युक्त तेल में पकाएं। मूफा यानी मोनो सैचुरेटेड फैटी एसिड, यह दिल के लिए फायदेमंद है। मूंगफली का तेल, सरसों का तेल इसके अच्छे उदाहरण हैं जो उच्च रक्तचाप को कम करने में मदद करते हैं।

नए साल में अब चंद दिन ही बचे हैं। ऐसे में परिवार और दोस्तों के साथ जश्न मनाने का दौर शुरू हो चुका है। कुछ लोग बाहर घूमने निकल गए हैं तो वहीं कुछ हैं, जो घर पर ही पार्टी करने वाले हैं। दोनों ही सूरतों में दावतों का सिलसिला तो शुरू ही हो चुका है। पार्टी के इस दौर में आपकी सेहत इसका बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि अपनी सेहत का ख्याल रखें।

हरी सब्जियां और सलाद

इस दौरान आप वसा से युक्त व्यंजनों के साथ हरी सब्जियों का सेवन कर अपना संतुलन बनाए रख सकते हैं। सब्जियों संग सलाद भी लें। सब्जियों में फाइबर ज्यादा होने की वजह से पेट भरा हुआ महसूस होता है।

रेड मीट खाने से बचें

मीट में प्रोटीन भरपूर होता है। चिकन और फिश की तुलना में रेड मीट में सैचुरेटेड फैट्स अधिक मात्रा में होते हैं। इनसे दिल को नुकसान पहुंच सकता है। वहीं, ओमेगा 3 फैटी ऐसिड से युक्त खाद्य पदार्थ हार्ट फेल होने की आशंका को कम करते हैं।

हंसना मना है

सोनू: इतना परेशान क्यों है। मोनू: अरे यार, मैंने अपनी गर्लफ्रेंड को दो बड़े-बड़े टैडी बियर गिफ्ट किए थे। सोनू: तो इसमें परेशान होने की क्या बात है। मोनू: उसकी ममी ने दोनों की रुई निकलवा कर 2 तकिए भरवा लिए।

लोगों की टिकट देखते हुए टीसी -टिकट दिखाओ टिकट .....गुड्डू - ये लो सर... टीसी - अरे ये तो पुरानी टिकट है। गुड्डू- ओए यह ट्रेन भी तो पुरानी है, यह कौन सा अभी शोरूम से आई है।

भक्त - मुझे दुख दो। मुझे बर्बाद कर दो। परेशानी दो, मुझे ट्रक से कुचल दो, मुझे माउंट एवरेस्ट की चोटी से गिरा दो, मेरे पीछे भूत लगा दो..। भगवान- एक लाइन में बोल न कि मुझे बीवी चाहिए।

दुकानदार-मैंने आपको दुकान की एक-एक चप्पल दिखा दी, अब तो एक भी बाकी नहीं है। महिला-वो सामने वाले डिब्बे में क्या है? दुकानदार -बहन, रहम कर थोड़ा, उसमें मेरा टिफिन है।

चाचा: बेटा, आजकल क्या करते हो। पप्पू: अंकल, साइंटिस्ट हूं। चाचा: अच्छा, क्या काम करते हो। पप्पू: जी बैठे-बैठे ऑक्सीजन को कार्बन डाइ ऑक्साइड में बदलता हूं।

कहानी | धूर्त गीदड़ और हाथी

ब्रह्मवन में कर्पूरतिलक नामक हाथी था। उसको देखकर सब गीदड़ों ने सोचा कि यदि यह किसी तरह से मारा जाए तो उसकी देह से हमारा चार महीने का भोजन होगा। उसमें से एक बूढ़े गीदड़ ने इस बात की प्रतिज्ञा की कि मैं इसे बुद्धि के बल से मार दूंगा। फिर उस धूर्त ने कर्पूरतिलक हाथी के पास जा कर साष्टांग प्रणाम करके कहा कि महाराज, कृपादृष्टि कीजिए। हाथी बोला, तू कौन है। धूर्त गीदड़ ने कहा कि सब वन के रहने वाले पशुओं ने पंचायत करके आपके पास भेजा है, कि बिना राजा के यहां रहना योग्य नहीं है, इसलिए इस वन के राज्य पर राजा के सब गुणों से शोभायमान होने के कारण आपको ही राजतिलक करने का निश्चय किया है। जो कुलाचार और लोकाचार में निपुण हो तथा प्रतापी, धर्मशील और नीति में कुशल हो वह पृथ्वी पर राजा होने के योग्य होता है। पहले राजा को ढूंढ़ना चाहिए, फिर स्त्री और उसके बाद धन को ढूंढ़े, क्योंकि राजा के नहीं होने से इस दुनिया में कहां स्त्री और कहां से धन मिल सकता है। राजा प्राणियों का मेघ के समान जीवन का सहारा है और मेघ के नहीं बरसने से तो लोक जीता रहता है, परंतु राजा के न होने से जी नहीं सकता है। इस राजा के अधीन इस संसार में बहुधा दंड के भय से लोग अपने नियत कार्यों में लगे रहते है और न तो अच्छे आचरण में मनुष्यों का रहना कठिन है, क्योंकि दंड के ही भय से कुल की स्त्री दुबले, विकलांग रोगी या निर्धन भी पति को स्वीकार करती है। इसलिए लग्न की घड़ी टल जाए, आप शीघ्र पधारिए। यह कह उठकर चला फिर वह कर्पूरतिलक राज्य के लोभ में फंस कर गीदड़ों के पीछे दौड़ता हुआ गहरी कीचड़ में फंस गया। फिर उस हाथी ने कहा कि मित्र गीदड़, अब क्या करना चाहिए। कीचड़ में गिर कर मैं मर रहा हूं। लौट कर देखो। गीदड़ ने हंस कर कहा कि महाराज, मेरी पूंछ का सहारा पकड़ कर उठो, जैसा मुझ सरीखे की बात पर विश्वास किया, तैसा शरणरहित दुख का अनुभव करो। जैसा कहा गया है कि जब बुरे संगत से बचोगे तब जानो जिओगे और जो दुष्टों की संगत में पड़ोगे तो मरोगे। फिर गहरे कीचड़ में फंसे हुए हाथी को गीदड़ों ने खा लिया।

15 अंतर खोजें

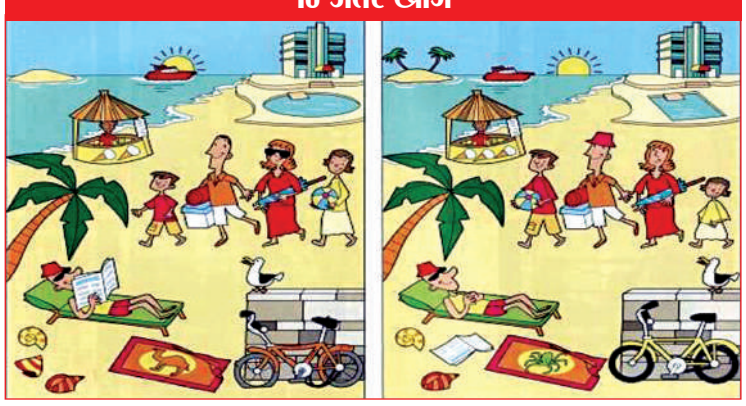

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

जीवनसाथी का सहयोग कार्यों में मिलेगा। क्रोध व शीघ्रता का त्याग करके विवेक से काम लें।

तुला

सुकर्मों के लाभकारी परिणाम मिलेंगे। व्यापारिक कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही न करें।

वृषभ

लाभदायी परिवर्तन का योग बनेगा। शुभचिंतकों का मार्गदर्शन आपकी समस्याओं को हल करेगा।

वृश्चिक

वृद्ध व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आपकी बुद्धिमत्ता सामाजिक सम्मान दिलाएगी।

मिथुन

ऋण लेना पड़ सकता है। जल्दबाजी में निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में स्पष्टता आपकी प्रगति में सहायक होगी।

धनु

अपने व्यवसाय को बढ़ाने के अवसर मिल सकेंगे। मनोबल में वृद्धि होने के कारण तनाव की कमी रहेगी।

कर्क

दिन उत्साहवर्धक एवं मनोरंजनमयी रहेगा। कई दिनों के रुके कार्य पूर्ण होने के अवसर हैं।

मकर

प्रबल आत्मविश्वास रहेगा। प्रेम संबंधों में सफलता मिलने के योग बनेंगे। आर्थिक स्थिति उत्तम रहेगी।

सिंह

आर्थिक स्थिति मनोबल में वृद्धि करेगी। संतान के क्षेत्र में कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है।

कुम्भ

संतान की ओर से अच्छे समाचार मिलेंगे। अनावश्यक कार्यों से दूर रहें। वाहन सावधानी से चलाएं।

कन्या

जवाबदारी के कामों में सावधानी रखें। प्रतिष्ठित व्यक्ति से भेंट से लाभ में वृद्धि व प्रयास में सफलता के योग।

मीन

दृढ़ निश्चय से कठिन कार्य भी हल होंगे। राजनीतिक व्यक्तियों से लाभकारी योग बनेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

सलमान को सांप ने डसा
7 घंटे हॉस्पिटल में रहे एडमिट

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को लेकर चौंकाने वाली खबर सामने आई है। बीती रात सलमान खान को सांप ने काट लिया था। ये घटना उस वक्त हुई, जब सलमान खान पनवेल के फार्म हाउस पर थे। हालांकि, सलमान की तबीयत अभी ठीक बताई जा रही है लेकिन उन्हें देर रात इलाज के लिए अस्पताल जाना पड़ा था। 25 दिसंबर की रात सलमान खान के लिये काफी भारी रही। कल रात सलमान खान एक सांप का शिकार बन गये। पनवेल फार्म हाउस पर एक्टर को एक सांप ने डस लिया। इससे पहले ज्यादा देर होती, उन्हें फौरन इलाज के लिये अस्पताल में एडमिट कराया गया। सलमान इलाज के लिये नवी मुंबई के कामोथे के M.G.M. Hospital हॉस्पिटल में भर्ती रहे। सूत्रों के मुताबिक, सलमान खान पनवेल फार्म हाउस में दोस्तों के साथ बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे थे। बातचीत के दौरान उन्हें एहसास हुआ कि उनके हाथ में कोई चीज चुभी है। इसके बाद जब उन्होंने इधर-उधर नजरें घुमाई, तो उन्हें सांप दिखा. सांप देख कर सलमान खान डर गये और फौरन मदद के लिये चिल्लाने लगे। वो रात में तीन बजे अस्पताल पहुंचे। करीब 6 से 7 घंटे तक हॉस्पिटल में रहने के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया।

सारा विक्की के साथ बाइक पर घूमी इंदौर शहर

बॉलीवुड | मसाला

फिल्म अभिनेता विक्की कौशल सारा अली खान के साथ इंदौर में बाइक पर घूमते नजर आए। दोनों ही देश के सबसे स्वच्छ शहर के अलग-अलग इलाकों में पहुंचकर शूटिंग कर रहे हैं। दरअसल, इंदौर में दिनों सारा और विक्की की नई फिल्म लुका छुपी 2 की शूटिंग जारी है। इसी का एक सीन शूट करने दोनों इंदौर के जवाहर मार्ग पर बाइक पर घूमे। सारा साड़ी पहनी हुई थीं, इसके पहले इन्होंने एक कोचिंग में बच्चों के साथ शूटिंग की थी। आज इसके आगे विक्की उन्हें लेने पहुंचे इस दृश्य को फिल्माया गया है। सारा लुका छुपी 2 फिल्म में टीचर के लुक में नजर आ रही हैं। सारा अली खान और विक्की कौशल को देखने के लिए सड़क के दोनों ओर लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। लोग अपने फेवरेट एक्टर और एक्ट्रेस को देखने के लिए यहां जमा हो गए थे। फिल्म केदारनाथ में सारा अली खान की अदाकारी को सभी ने पसंद किया। अब उन्हें अपने सामने देख इंदौर के लोगों की खुशी और बढ़ गई है। इस दौरान लोगों ने अपने मोबाइल फोन से भी सारा और विक्की की तस्वीरें ली। पिछले कई दिनों से दोनों इंदौर के बाजार और ऐहितासिक स्थलों पर शूटिंग कर रहे हैं। शूटिंग के दौरान सारा अली खान एक अलग ही अंदाज में नजर आती हैं। यह लुक उनकी पहले की फिल्म से काफी अलग है।

रेड बैकलेस शॉर्ट ड्रेस पहन सुरभि चंदना ने लगाई इंटरनेट पर आग

टीवी एक्ट्रेस सुरभि चंदना सोशल मीडिया पर अपने ग्लैमरस लुक और ड्रेसिंग सेंस को लेकर खूब सुर्खियां बटोरती हैं. एक बार फिर से ऐसा ही कुछ देखने को मिल रहा है।

रेड बैकलेस शॉर्ट ड्रेस पहन सुरभि चंदना ने लगाई इंटरनेट पर आग, फैंस के लिए नजरें हटाना मुश्किल

टीवी | मसाला

सुरभि चंदना ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं उसमें वो रेड शॉर्ट बैकलेस ड्रेस पहने हुए दिखाई दे रही हैं। अपने लुक को पूरा करने के लिए सुरभि चंदना ने अपने हेयर को वेवी रखा है और रेड लिप्सिटक का यूज किया है।

सुरभि चंदना ने एक से बढ़कर एक पोज दिए हैं। उनकी इन तस्वीरों को देखकर कोई भी उनका फैन हो जाएगा. आखिरी बार सुरभि चंदना नागिन 5 में नजर आई थीं। इस शो में वाणी के कैरेक्टर में उन्हें खूब पसंद किया गया था। सुरभि चंदना ने अभी तक अपने किसी अगले प्रोजेक्ट के बारे में कोई घोषणा नहीं की है।

अजब-गजब | वैज्ञानिकों ने अमेरिका में अनोखा एक खोजा जीव

मिला समुद्री राक्षस, हैरत में पड़े दुनिया के वैज्ञानिक

वैज्ञानिकों ने अमेरिका में एक अनोखा जीव खोजा है जिसकी लंबाई 55 फीट है। यह समुद्री राक्षस डायनासोर के समय का है जिसका नाम इचिथ्योसॉर है। यह समुद्री जीव एक तरह की मछली है। वैज्ञानिकों के रिसर्च में चौकाने वाला खुलासा हुआ है जिसके बारे में जानकर आप हैरान हो जाएंगे। रिसर्च के मुताबिक, मछली की तरह दिखने वाले समुद्री सरीसृपों का आकार 24 करोड़ साल पहले बहुत तेजी से बढ़ा। इस अनोखे जीव के सिर का आकार 6.5 फीट है।

कैलिफोर्निया के स्क्रिप्स कॉलेज में जीव विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर और सीनियर रिसर्चर लार्स शमित्ज ने इन जीव पर स्टडी की है। उन्होंने अपनी स्टडी में बताया है कि व्हेल की तुलना में इचिथ्योसॉर का आकार बहुत तेजी से बढ़ा। उस दौरान जब धरती से डायनासोर जैसे जीव खत्म हो रहे थे। वैज्ञानिकों ने इस जीव के मिलने के बारे में कहा है कि यह एक बड़ी खोज है। वैज्ञानिकों का कहना है कि धरती पर जीवन के विकास से संबंधित कई रहस्य खुल सकते हैं। शोधकर्ताओं ने प्राचीन इचिथ्योसॉर के जीवाश्मों की खोज पहली बार 1998 में की थी। इसका जीवाश्म उत्तर-पश्चिमी नेवादा के

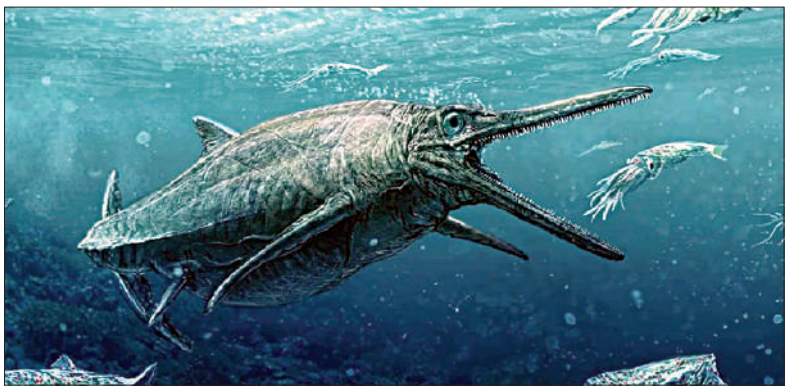

ऑगस्टा पर्वत की चट्टानों में मिला था। इसमें से कई हड्डियां चट्टानों के बाहर तक दिखाई दे रही थीं। यह देखने के बाद वैज्ञानिकों ने अंदाजा लगाया कि यह विशाल आकार का जीव था। जहां पर जीवाश्म मिला था वहां पर साल 2015 में वैज्ञानिकों ने खुदाई की थी। इस दौरान वैज्ञानिकों को इस जीव का सिर, पानी में तैरने वाले पंखों जैसे छोटे अंग मिले थे। एक फेमस जर्नल साइंस में 23 दिसंबर को एक रिपोर्ट प्रकाशित की गई थी। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि जीवाश्म लॉस एंजिल्स के नेचुरल साइंस म्यूजियम ले जाया गया था। वैज्ञानिकों ने इसके जीवाश्म का थ्री डी मॉडल बनाकर विश्लेषण किया। वैज्ञानिकों ने इस नई प्रजाति को सिंबोस्पोंडिलस यंगोरम नाम दिया है । इस जीव का जबड़ा काफी बड़ा है। समुद्री सरीसृप 24 करोड़ साल पहले ट्राइसिक काल के दौरान रहता था। वैज्ञानिकों ने कहा कि इसके सिर की लंबाई 6.5 फीट है जबकि एक पूर्ण रूप से विकसित सिंबोस्पोंडिलस यंगोरम की लंबाई 55 फीट होती है। जब यह जीवत होता है, तो इसका 45 टन होता था। उत्तरी अमेरिका के पश्चिमी तट से दूर पैंथलासिक महासागर में यह अनोखा जीव रहता था।

तालाब में रहकर पूरा दिन काटती है ये महिला

दुनिया के हर इंसान के शौक भी अलग-अलग होते हैं। ऐसे में कोई इंसान अगर पानी का इतना शौकीन हो जाए कि हर वक्त वो खुद को पानी के ही अंदर रखे तो आप इसे क्या कहेंगे। ऐसा ही कुछ हाल है पश्चिम बंगाल की एक महिला का जो दिन में 12 से 14 घंटे पानी के अंदर ही रहती है। यही नहीं वो सुबह होते ही किसी तालाब की तलाश में निकल जाती है और उसके बाद पूरे दिन पानी में खड़ी रहती है। मामला पश्चिम बंगाल के कटवा जिले के गोवई गांव का है। जहां 60 साल की एक महिला हर रोज पानी की अंदर कई घंटों तक खड़ी रहती है। महिला के घर वालों का कहना है कि पिछले बीस साल से वो रोज सुबह उठते ही तालाब या पानी वाली जगह खोजने के लिए निकल जाती है। रोजाना 12 से 14 घंटे पानी में रहती है। रोज सुबह सूरज उगने से पहले तालाब में उतर जाती है और शाम को सूरज डूबने के बाद वो घर वापस लौटती है। बता दें कि ये महिला गले तक खुद को पानी में डुबा लेती है और सारा दिन वहीं गुजारती है। तालाब में ही रहकर वह लोगों से बातें भी करती हैं और वहीं खाना भी खाती है। तालाब से बाहत तभी आती है जब वो घर जाती है। बताया जाता है कि इस महिला को एक अजीब बीमारी है जो उसे पिछले 20 साल से परेशान कर रही है, जिसकी वजह से उनकी त्वचा पर काफी जलन होती है। इस जलन से बचने के लिए ही वो रोज सुबह तालाब में जाकर बैठ जाती हैं। वहीं महिला की बेटी का कहना है कि बीस साल पहले उनकी तबियत खराब होने की वजह से धूप में आते ही उनकी त्वचा जलने लगती थी और उन्हें बहुत गर्मी लगने लगती थी। उसके बाद उन्हें तभी राहत मिलती थी जब वो पानी में उतर जाती थी। इसीलिए वो हर रोज पानी में रहती हैं। बता दें कि ये महिला साल 1998 से ऐसा कर रही है।

तीसरी लहर से जंग की तैयारी

राजधानी पहुंची केंद्रीय स्वास्थ्य टीम

» अस्पतालों से एयरपोर्ट तक का लिया जायजा, बेड, आईसीयू और वेंटिलेटर की ली जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच लखनऊ में स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों को परखने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम सोमवार को राजधानी पहुंची। टीम ने अस्पतालों से लेकर एयरपोर्ट तक की तमाम स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। केंद्रीय टीम ने कोरोना की तीसरी लहर से जंग की तैयारियों को अपने पैमाने पर परखा। बेडों की संख्या, आईसीयू और वेंटिलेटर के बारे में भी जानकारी ली।

ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से चार सदस्यीय टीम लखनऊ पहुंची। टीम सबसे पहले लालबाग स्थित कोविड कमांड सेंटर पहुंची। यहां कर्मचारियों के कामकाज के तरीके का हाल लिया। इसके बाद टीम स्वास्थ्य भवन स्थित राज्य कोविड कमांड सेंटर पहुंची। टीम के सदस्यों ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से प्रदेश में कोरोना की स्थिति के बारे में जानकारी ली। फिर कानपुर रोड स्थित लोकबंधु कोविड अस्पताल का जायजा भी लिया। इस दौरान टीकाकरण की स्थिति, कोरोना संक्रमित बच्चों के भर्ती की व्यवस्था, पीआईसीयू और एनआईसीयू वार्ड और जरूरी दवाओं की उपलब्धता के बारे में पड़ताल की। डिप्टी सीएमओ डा. मिलिंद वर्धन ने बताया कि लखनऊ में 28 आक्सीजन प्लांट लगाए जा चुके हैं। सभी चालू स्थिति में हैं। 34 अस्पतालों में 4080 बेड आरक्षित किए गए हैं। लोगों की कोरोना जांच के साथ कांटैक्ट ट्रेसिंग भी कराई जा रही है।

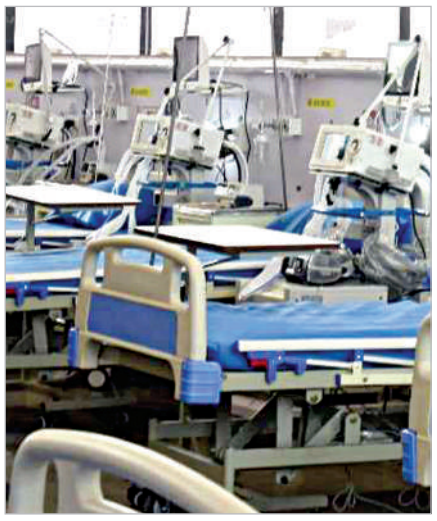

लगातार बढ़ रहे ओमिक्रॉन के केस

नई दिल्ली। देश में ओमिक्रॉन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। देश भर में ओमिक्रॉन मरीजों की संख्या अब 660 के पार हो गई है। अब ओमिक्रान नार्थ-ईस्ट भी पहुंच गया है। मणिपुर में इसका पहला केस सामने आया है। साथ ही गोवा में भी ओमिक्रॉन से आठ साल का बच्चा संक्रमित पाया गया है। ओमिक्रॉन के तेजी से बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार ने राज्यों को सतर्कता बरतने की सलाह दी है। संक्रमितों में से 186 मरीज ठीक हो गए हैं। ओमिक्रॉन के सबसे ज्यादा मरीज महाराष्ट्र में हैं। महाराष्ट्र में संक्रमितों की संख्या अब बढ़कर 167 हो गई है।

24 घंटे में कोरोना के 6,358 मामले

देश में ओमिक्रॉन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं लेकिन कोरोना संक्रमितों की संख्या में उतार-चढ़ाव जारी है। बीते 24 घंटे में कोरोना के 6,358 नए मामले सामने आए हैं। हालांकि, इस दौरान ठीक होने वाले मरीजों की संख्या संक्रमितों के मुकाबले ज्यादा रही। बीते 24 घंटे में कोरोना के 6,450 ठीक हुए हैं। इसके साथ ही देश में कुल सक्रिय मामले 75,456 हो गए हैं जबकि कुल रिकवरी दर 98.40 फीसदी है।

लखनऊ में तेंदुए का खौफ, गलियों में पसरा सन्नाटा

» चार दिन बाद भी नहीं पकड़ पाई वन विभाग की टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में पिछले चार दिन से तेंदुए का खौफ है। तेंदुआ को अलग-अलग स्थानों पर देखने की सूचना आ रही है। वन विभाग ने लोगों से सतर्कता बरतने के लिए कहा है। डीएफओ डा. रवि कुमार सिंह ने बताया कि तेंदुए को पकड़ने के लिए पांच टीमें अलग-अलग इलाकों में तैनात हैं। कल्याणपुर, कंचना विहार और गुडंबा के अन्य इलाकों में सोमवार को भी तेंदुए की चर्चा होती रही। तेंदुए के डर से गलियों में सन्नाटा पसरा है। बच्चे स्कूल नहीं गए और सुबह टहलने वाले घरों से नहीं निकले।

कल्याणपुर, जानकीपुरम व सहारा स्टेट इलाके में तेंदुए के मौजूद होने के प्रमाण नहीं मिले हैं। वन विभाग की टीम लोगों को जागरूक करने के लिए पर्चे बांट रही है। इलाके में अफवाह भी फैल रही है, जिसमें एक से ज्यादा तेंदुआ आने की बात कही जा रही है। विभाग ने इसका खंडन किया है और लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने के लिए कहा है। गौरतलब है कि शुक्रवार की रात 11 बजे जानकीपुरम साठ फिटा रोड पर सबसे पहले तेंदुआ देखा गया था। शनिवार सुबह नौ बजे एसआर हास्पिटल एवं पूजा नर्सिंग होम के सीसी कैमरे में कैद नजर आया। यही नहीं, आदिलनगर में उसी दिन शाम चार बजे प्रेसिडेंसी स्कूल के पास और शाम छह बजे कल्याणपुर के खाली प्लाट में तेंदुआ दिखाई दिया था। तेंदुआ कम समय में ज्यादा दूरी तय करता है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि वह अपने प्रवास क्षेत्र में लौट गया होगा। कंट्रोल रूम को रविवार रात में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी कुर्सी रोड, जानकीपुरम, आधारखेड़ा तकरोही, छोटा भरवारा, चिनहट और सेक्टर पांच विकासनगर से सूचनाएं मिली थीं। इन स्थानों पर वन विभाग ने मुआयना किया लेकिन तेंदुआ आने की पुष्टि नहीं हुई। तेंदुआ के पदचिह्न भी नहीं दिखे हैं।

एसएफजे आतंकी जसविंदर सिंह मुल्तानी गिरफ्तार

» दिल्ली व मुंबई में हमले की रच रहा था साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पिछले दिनों लुधियाना कोर्ट में हुए ब्लास्ट के आरोपी जसविंदर सिंह मुल्तानी को जर्मनी में गिरफ्तार कर लिया गया है। भारत सरकार के अनुरोध पर जर्मनी पुलिस ने जसविंदर सिंह मुल्तानी को गिरफ्तार किया है। जसविंदर सिंह मुल्तानी सिख फॉर जस्टिस से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर काम कर रहा था और दिल्ली व मुंबई में आतंकी गतिविधियों की साजिश रच रहा था। अधिकारियों के मुताबिक, 45 वर्षीय मुल्तानी एसएफजे के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू का करीबी रहा है और अलगाववादी गतिविधियों में शामिल रहा है।

जसविंदर सिंह मुल्तानी की गिरफ्तारी पर जर्मनी व भारत के राजनयिकों का कहना है कि भारत सरकार ने जर्मनी की सरकार से उन खालिस्तान समर्थक कट्टरपंथियों को गिरफ्तार करने का आग्रह किया था, जिनके संबंध सीधे पाकिस्तान से थे और सीमा पार से वह पंजाब में हथियारों व गोला-बारूद की तस्करी में शामिल थे। मोदी सरकार के आग्रह के बाद ही जर्मन पुलिस ने मुल्तानी को गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि लुधियाना कोर्ट में 23 दिसंबर को हुए ब्लास्ट में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी तो वहीं छह लोग घायल हो गए थे। हमलावरों का इरादा कोर्ट में बड़ा धमाका करने और ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाने का था।

चंडीगढ़ में आप की जीत से कांग्रेस परेशान युवा मतदाताओं को लुभाने की कोशिश तेज

» शहरी वोटरों के बंटने से रोकने की कोशिश में जुटी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। निकाय चुनावों के परिणामों के बाद कांग्रेस ने पंजाब विधान सभा चुनावों के लिए रणनीति बनानी शुरू कर दी है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि चंडीगढ़ निकाय चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन से निराशा हुई है। लिहाजा अब कांग्रेस की नजर युवा मतदाताओं पर टिक गयी हैं।

पंजाब विधान सभा चुनावों को लेकर कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ गई हैं क्योंकि मतदाताओं को राज्य में आम आदमी पार्टी के तौर पर एक और वैकल्पिक राजनीतिक दल मिल गया है। कांग्रेस के आंतरिक सर्वे के अनुसार, चुनाव में जीत के लिए सिख वोट के साथ-साथ शहरी और हिन्दू वोट भी बहुत महत्वपूर्ण होंगे। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह, जिन्होंने चुनावी गठबंधन करते हुए भाजपा के साथ हाथ मिलाया है। इससे उम्मीद है कि यह राजनीतिक गठबंधन शहरी हिन्दू मतदाताओं के वोट प्राप्त करेगा। 2017 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को जिन 77 सीटों पर जीत मिली थी, उनमें से 29 सीटों पर शहरी और हिन्दू मतदाताओं का सबसे ज्यादा प्रभाव था। चंडीगढ़ निकाय चुनाव में आप को 14 सीटें और कांग्रेस को आठ सीटें मिली हैं।

भाजपा पर भारी पड़ सकती है ब्राह्मणों की नाराजगी!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव के पहले यूपी में सियासत गर्म हो गयी है। ब्राह्मणवाद के नाम पर जानी जाने वाली भाजपा को अपने ब्राह्मण मतदाताओं को सहेजने की जरूरत पड़ रही है। ब्राह्मणों को अपने पाले में करने के लिए यूपी भाजपा के तमाम बड़े ब्राह्मण नेता और मंत्रियों की बैठक दिल्ली में बुलायी गयी। सवाल यह है कि यह नौबत क्यों आई? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, सबा नकवी, चिंतक सीपी राय, रविकांत, 4पीएम के संपादक संजय शर्मा और वरिष्ठ पत्रकार अभिषेक कुमार के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

अशोक वानखेड़े ने कहा, वर्तमान में भाजपा बदल चुकी है। यहां शाह-मोदी और योगी चल रहे हैं। आजादी के बाद पहली बार ब्राह्मणों का इतना उत्पीड़न हुआ है। इससे ब्राह्मण नाराज हैं। सबा नकवी ने कहा, ब्राह्मण समाज बढ़ती बेरोजगारी से भी नाराज है क्योंकि वह सर्विस क्लास है। लिहाजा इस बार भारी संख्या में वह भाजपा के खिलाफ वोट देगा। हालांकि ठाकुरवाद भी मुद्दा होगा। रविकांत ने कहा, अखिलेश के साथ पिछड़ी जातियां गोलबंद हो रही हैं। सभी जातियों में सरकार के खिलाफ गुस्सा है। ब्राह्मण आए या न आए सपा चुनाव जीत रही है। सीपी राय ने कहा, अपर कास्ट का वोट प्रतिशत अभी भी दलित और पिछड़ों से कम है। हालांकि हवा बनाने में ब्राह्मण सबसे आगे हैं। वह पढ़ा-लिखा होता है और वह लोगों के मतों को प्रभावित करता है। 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने कहा, यूपी में योगी आदित्यनाथ ने भाजपा को अपने कब्जे में ले लिया। हरिशंकर तिवारी ने जब सपा ज्वाइन किया तब भाजपा नेतृत्व की चिंता बढ़ी। पूर्वांचल में ब्राह्मण सपा से जुड़ रहे हैं। योगी के कारण ब्राह्मण नाराज है वे कांग्रेस की ओर भी जा सकते हैं। पूरे प्रदेश में ब्राह्मणों का खूब उत्पीड़न किया है। यूपी में ब्राह्मण मंत्रियों को योगी ने दरकिनार कर दिया। ब्राह्मण मंत्रियों पर नजर रखने के लिए अफसरों को रखा है।

» लगातार हो रहे उत्पीड़न से चल रहे हैं नाराज

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

पुलिस पर आपत्तिजनक बयान देकर घिरे सिद्धू मानहानि का नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू एक नए विवाद में फंस गए हैं। उन्होंने कुछ दिन पहले एक रैली में पुलिस को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया था। इस मामले में अब वह घिरते नजर आ रहे हैं। पहले चंडीगढ़ पुलिस के डीएसपी दिलशेर चंदेल ने एक वीडियो जारी कर सिद्धू के बयान की निंदा की। उन्होंने इसे शर्मनाक बताते हुए सिद्धू को मानहानि का नोटिस दिया है। नोटिस में सिद्धू को बिना शर्त माफी मांगने को कहा गया है। डीएसपी चंदेल के मुताबिक सिद्धू ने सुल्तानपुर लोधी की रैली में पुलिस पर आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणी की थी। नवजोत सिंह सिद्धू के आपत्तिजनक बयान पर जालंधर देहात के सब इंस्पेक्टर बलवीर सिंह ने वीडियो जारी कर कहा है कि यह बहुत बुरी बात है कि हमारे खिलाफ सिद्धू ने ऐसी टिप्पणी की है। अकाली दल ने भी सिद्धू से माफी मांगने की मांग की है।

जोश से भरी मैराथन में दौड़ीं छात्राएं बोलीं, लड़की हूं लड़ सकती हूं...

» कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी बनी यूपी की बेटियों की पहली पसंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के शहीद पथ स्थित इकाना स्टेडियम में आज कांग्रेस ने मैराथन दौड़ का आयोजन किया। यह मैराथन लखनऊ में बीते रविवार को आयोजित होनी थी, मगर तब कांग्रेस को इसकी अनुमति नहीं मिली थी। इस मैराथन में अव्वल आने वाली पूजा पटेल ने बताया कि उन्हें इस आयोजन का हिस्सा बनकर काफी खुशी मिली है। ऐसे कार्यक्रम होने चाहिए, इससे हौसला बढ़ता है। बता दें कि कांग्रेस की ओर लड़की हूं, लड़ सकती हूं थीम पर यूपी में विधानसभा चुनाव 2022 की तैयारी की जा रही है। महिला मैराथन को अनुमति नहीं मिलने के बावजूद कांग्रेस ने एक बार फिर 28 दिसंबर को इकाना स्टेडियम से मैराथन के आयोजन की घोषणा की थी। महिला मैराथन दौड़ में प्रतिभागी छात्राओं की तादाद काफी दिखी। सभी जोश से लबरेज नजर आ रहे थे। कांग्रेस प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने बताया कि कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के नेतृत्व में महिला की बुलंद होने वाली आवाज अब निश्चित तौर पर प्रदेशभर की महिलाओं के सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बनेगी।

सरकार के दावे फेल, बिना रिश्वत लिए नहीं खरीद रहे धान

» निघासन और पलिया के किसानों का छलका दर्द

» खरीद केंद्रों पर धांधली का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर के किसान गुस्से में हैं। जिले के सतनाम सिंह सहित कई किसानों का कहना है कि सरकार सिर्फ बातें करती हैं दावे इनके फेल हैं। हकीकत यह है कि खरीद केंद्रों पर बिना रिश्वत लिए धान नहीं खरीदा जाता है। किसानों ने बताया कि बारिश और उसके बाद नदियां उफनाने से आई बाढ़ ने सबसे ज्यादा निघासन व पलिया में तबाही मचाई है।

अब तक जनजीवन सामान्य नहीं हो पाया है। गांवों की 10 हजार से ज्यादा आबादी प्रभावित हुई

है, जबकि पलिया और निघासन क्षेत्र में बाढ़ ने गहरे जख्म दिए हैं। जिले में शारदा और घाघरा नदियों से आए बाढ़ के पानी से किसानों की फसलें पूरी तरह चौपट हो गई हैं। भीषण बाढ़ से पलिया में 9075 हेक्टेयर, गोला में 3200 हेक्टेयर, निघासन में 17700 हेक्टेयर, धौरहरा में 11250, और लखीमपुर में 1965.432 हेक्टेयर क्षेत्रफल में बोई गई फसलें तबाह हो गईं। सबसे ज्यादा धान और गन्ने की फसल का नुकसान हुआ है। तराई के अधिकांश किसान पूरी तरह खेती किसानी पर ही निर्भर थे। फसलों की तबाही से उनके बच्चों की पढ़ाई, शादी विवाह आदि मांगलिक कार्यों पर तो ग्रहण लगा ही है, किसानों की जेब खाली है। सतनाम बताते हैं कि भीषण बाढ़ से जो छोटा मोटा धान बचा था, उसको बिना रिश्वत लिए कोई धान केंद्र पर लेने को तैयार नहीं है। प्रशासन ही नहीं, सरकार भी हम लोगों की सुध नहीं ले रही, ऐसे में हम लोग यह आस लगाए बैठे हैं कि शायद अगली सरकार ही हमारी पीड़ा सुनेगी।

प्रसपा का नया चुनाव चिन्ह स्टूल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय चुनाव आयोग ने शिवपाल सिंह यादव की पार्टी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी को नया चुनाव चिन्ह स्टूल आवंटित किया है। अभी तक उनका चुनाव चिह्न चाबी हुआ करता था। चाबी चुनाव चिह्न अभी पिछले दिनों हरियाणा की एक राजनीतिक पार्टी को दिया जा चुका है। अत: आयोग ने प्रसपा को स्टूल चुनाव चिह्न आवंटित किया है। यूपी चुनाव 2022 के लिए सपा व प्रसपा का गठबंधन तय हो गया है। शिवपाल यादव ने कहा दिया है कि अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने और भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए सपा से गठबंधन कर रहे हैं। सपा और प्रसपा के साथ-साथ रहने को लेकर लंबे समय से संकेत मिल रहे थे। 16 दिसंबर को दोनों दलों ने गठबंधन की घोषणा की। दरअसल, समाजवादी पार्टी यूपी चुनाव में छोटे दलों को साथ लेकर चुनाव लड़ रही है। अब तक कई पार्टियों से गठबंधन हो चुका है। सामाजिक गठजोड़ को देखते हुए सपा मजबूत भी नजर आ रही है।

प्रत्याशी फिक्स रेट पर ही समर्थकों को पिला सकेंगे चाय

» चुनाव आयोग ने लंच-डिनर का भी तय किया रेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर प्रशासन सभी तैयारी पूरी करने में जुटा है। मुरादाबाद के जिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह ने कहा कि विधानसभा चुनाव के लिए संभावित उम्मीदवारों द्वारा प्रतिदिन व्यय की जाने वाली धनराशि का लेखा-जोखा निर्वाचन व्यय लेखा रजिस्टर में अंकित किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश ने चुनाव घोषणा से पूर्व वस्तुओं के

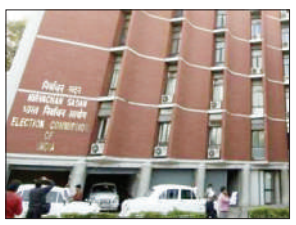

रेट चार्ट का निर्धारण जिले में प्रचलित दरों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा। उम्मीदवारों द्वारा विधान सभा निर्वाचन के व्यय करने की सीमा 30 लाख 80 हजार निर्धारित की गयी है। साथ ही उनके द्वारा जो भी सामान खरीदा जाएगा, उसके लिए रेट लिस्ट भी दे दी गई। इसमें खान पान के साथ ही प्रचार सामग्री, सभा के लिए तैयार किए जाने वाले मंच आदि में प्रयोग किए जाने वाले सामान शामिल हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन पांच जनवरी को होगा। इसकी प्रतियां भी सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को निशुल्क उपलब्ध करायी जाएंगी।

इत्र कारोबारी प्रकरण : 50 देशों से पीयूष जैन का कंपाउंड कनेक्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुर्खियों में आए कन्नौज के इत्र एवं कंपाउंड कारोबारी पीयूष जैन का कारोबार दुनिया के करीब 50 देशों में फैला है। जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय (डीजीजीआई) की टीम की छापामारी में इसका खुलासा हुआ। घर, गोदाम और कारखाने से करीब दस देशों का केमिकल मिला है। साथ ही विदेशों में भेजे जाना वाला करीब 100 तरह का कंपाउंड बरामद हुआ है। टीम ने सभी के सैंपल ले लिए हैं। डीजीजीआई की टीम को शहर के छिपट्टी मोहल्ले में कारोबारी पीयूष जैन के घर, गोदाम और कारखाने से करोड़ों रुपये की कीमत के केमिकल मिले हैं। ये केमिकल फ्रांस, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, जापान, चीन, कुवैत, इंडोनेशिया, नेपाल, सऊदी से मंगाए गए बताए जा रहे हैं।

इंतजार किस बात का, आयें और हाथों हाथ छपवाकर ले जायें।
गोमती नगर में पहली विदेशी मल्टी कलर प्रिंटिंग मशीन

आस्था प्रिंटर्स
कार्यालय: 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।